निरीक्षण और मूल्यांकन दलों द्वारा दी गई टिप्पणियों का ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के पटल पर प्रस्तुत कर दी जाएगी।

भोपाल की झील का "पक्षी अभयारण्य" के अनुरूप रूपांतरण

100. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भोपाल की बड़ी झील को राजस्थान के "सरिस्का पक्षी अभ्यारण्य की तरह एक पक्षी अभ्यारण्य के रूप में बदलने का कोई प्रस्ताव केन्द्र सरकार के विचाराधीन है;

(ख) यदि हां, तो मंत्रालय को यह प्रस्ताव कब प्राप्त हुआ था तथा यह कब से विचाराधीन है;

(ग) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 27 दिसम्बर, 1993 के "नवभारत" (भोपाल संस्करण) में प्रकाशित विदेशों से पक्षियों के आगमन तथा उनके अवैध शिकार से संबंधित समाचार की ओर दिलाया गया है; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : ऐसा कोई प्रस्ताव केन्द्र सरकार के विचाराधीन नहीं है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) मामले को इस मंत्रालय के ध्यान में नहीं लाया गया है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Non- utilisations of foreign aid

401- SHRI SANJAY DALMIA: Will the Minister of .ENVIRONMENT AND FORESTS be .pleased,to state:

(a) -whether it is a fact that over Rs 800 crores of foreign aid received by his Ministry for" various projects has remained,unutilised;

(b) if so the details thereof and the reasons for non-utilisation of such assistance, project--wise; and ,

(c) the steps taken -and proposed to be taken to monitor and ensure effec tive utilisation of foreign assistance in future?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) No, Sir.

(b) and (c) All projects for which Central assistance has ,been received are in various stages of implementation. The pace of physical and financial progress is monitored regularly-

Pollution of Indian enviroment by Foreign countries

402 SHRI K. R. MALKANI: Will the Minister of ENVIRNMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Pepsi is exportine hazardous scarp to Tiru-valluvar India, as reported in the Free Press Journal, dated 2nd July, 1994;

(b) whether Australia is damping its industrial effluents in India, as reported in the 'Indian Express' dated the 12th October, 1994;

(c) whether Sweden is using India as dumping ground for its wastes, as reported in the 'Pioneer' dated the 19th January, 1995;

(d) whether Government have allowed this pollution of the Indian Environment; .and